Seventeenth Loksabha

an>

Title: Need to declare 'Karma' parv as national festival and declare national holiday that day.

श्री सुनील कुमार सिंह (चतरा) : आदरणीय अध्यक्ष जी, मैं एक सांस्कृतिक विषय उठाना चाहता हूं । 'करमा प्राकृतिक प्रोजेक्ट' आदिवासियों का सबसे बड़ा पर्व और त्यौहार है । इसे झारखंड के अलावा मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, ओड़िशा, असम, पश्चिम बंगाल और पूर्वोत्तर के सभी राज्यों सहित देश के तमाम हिस्सों, जहां आदिवासी समुदाय है, वहां धूमधाम से मनाया जाता है । इस अवसर पर पवित्र करम के पेड़ की डाली को काटकर पूजन स्थल पर स्थापित कर विधिवत पूजा-अर्चना की जाती है । वृक्षों के संरक्षण के प्रति आदिवासी समाज का समर्पण बेमिसाल है । प्रकृति को बरकरार रखने के प्रति इनकी निष्ठा अद्भुत है ।

माननीय अध्यक्ष जी, आदिवासी भारत का एकमात्र ऐसा समुदाय है, जो प्रकृति की गोद में रहते हैं और उसकी पूजा करते हैं । पर्यावरण पर मंडराते वैश्विक संकट को मद्देनजर रखते हुए इस समुदाय के रीति-रिवाजों और पर्व-त्यौहारों का संरक्षण और संवर्धन करना आवश्यक है । मैं आपके माध्यम से सरकार से यह आग्रह करना चाहूंगा कि आदिवासियों के करमा पर्व को राष्ट्रीय त्यौहारों की सूची में शामिल किया जाए और इसको राष्ट्रीय अवकाश घोषित करने की अधिसूचना जारी की जाए ।

माननीय अध्यक्ष :

कुँवर पुष्पेन्द्र सिंह चन्देल और

डॉ. निशिकांत दुबे को श्री सुनील कुमार सिंह द्वारा उठाए गए विषय के साथ संबद्ध करने की अनुमति प्रदान की जाती है ।